हिन्दी पाक्षिक

महानगर स्तंभ

RNI NO. RAJHIN/2017/70561

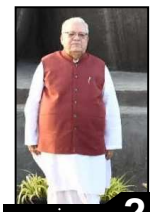

पृष्ठ संख्या.... 2

❒ वर्ष-8 ❒ अंक-12 जयपुर, शनिवार 15 जून, 2024 ❒ एक प्रति 5 रुपये ❒ कुल पृष्ठ-4

नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री

ईश्वर के नाम की शपथ ली: राजनाथ,शाह और गडकरी कैबिनेट मंत्री बने

नड्डा-शिवराज को भी मंत्रिमंडल में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। वे नेहरू के बाद ऐसा करने वाले दूसरे पीएम बन गए हैं। मोदी के बाद राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा और शिवराज सिंह चौहान ने शपथ ली। कयास हैं कि मोदी के साथ करीब 63 मंत्री शपथ ले सकते हैं। राष्ट्रपति भवन में 7 देशों के लीडर्स के अलावा देश के फिल्म स्टार भी इस समारोह में पहुंचे। इनमें अक्षय कुमार, शाहरुख खान, विक्रांत मेसी और राजकुमार हिरानी शामिल हैं। रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी भी दिखे। मोदी ने रविवार सुबह राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे अटल जी की समाधि और नेशनल वॉर मेमोरियल गए। सुबह मोदी ने अपने आवास पर संभावित मंत्रियों के साथ मीटिंग की।

■ पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर पहली बार केंद्र में मंत्री बने

मोदी ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

शाह-राजनाथ-नड्डा और निर्मला को फिर मंत्रिमंडल में जगह, पूर्व सीएम शिवराज-खट्टर भी मंत्री बने

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने रविवार शाम 7 बजकर 15 मिनट पर लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। वे नेहरू के बाद ऐसा करने वाले दूसरे पीएम बन गए हैं। कयास हैं कि मोदी के साथ करीब 63 मंत्री शपथ ले सकते हैं।

अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण को फिर मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। शिवराज सिंह चौहान और मनोहर लाल खट्टर पहली बार मोदी कैबिनेट में शामिल किया गया है। दोनों को बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है।

जेडीयू के राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर और मुंगेर से सांसद ललन सिंह को भी मंत्री बनाए जाने की चर्चा है। वहीं, टीडीपी से राम मोहन नायडू और पी. चंद्रशेखर पेम्मासानी को मंत्री बनाया जा सकता है। इसके अलावा 7 अन्य पार्टियों से एक-एक सांसद को मोदी कैबिनेट में जगह मिल सकती है।

एनडीए सरकार में एक मंत्री पद को लेकर अजित पवार की एनसीपी में खींचतान चल रही है। प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे दोनों ही दावेदारी कर रहे हैं। ऐसे में अजित पवार के सामने संकट खड़ा हो गया है कि इस विवाद को कैसे निपटाएं।

मोदी के शपथ ग्रहण में आए 7 देशों के लीडर्स

आडवाणी से मिलीं बांग्लादेश की पीएम हसीना, पहली बार भारत पहुंचे मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनें। शाम 7:15 बजे राष्ट्रपति भवन में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इस समारोह में शामिल होने के लिए भारत के 7 देशों के लीडर्स को न्योता दिया गया है। शपथ ग्रहण के लिए मेहमानों के आने का सिलसिला शुरू हो चुका है। रविवार सुबह मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पहली बार भारत पहुंचे। उनके ठीक बाद मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनॉथ भी दिल्ली आए। दोपहर करीब 12 बजे भूटान के पीएम दाशो शेरिंग तोबगे और फिर श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे। वहीं नेपाल के पीएम प्रचंड भी भारत आ चुके हैं। दूसरी तरफ, बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना और सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ एक दिन पहले शनिवार 8 जून दोपहर में ही भारत आ गए थे।

प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भारत के पड़ोसी देशों के नेताओं की भागीदारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मंत्रिपरिषद का शपथ ग्रहण समारोह 09 जून को राष्ट्रपति भवन में हुआ। समारोह में भारत के पड़ोस के देशों और हिंद महासागर क्षेत्र के नेताओं ने सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया। समारोह में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री, शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री, प्रविंद कुमार जगन्नाथ अपने जीवनसाथी के साथ, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे शामिल हुए। मालदीव, बांग्लादेश, नेपाल और भूटान के नेताओं के साथ उनके मंत्री भी थे। शपथ ग्रहण समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में अतिथि नेताओं से मुलाकात की। नेताओं ने उन्हें लगातार तीसरे ऐतिहासिक कार्यकाल के लिए भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। इस अवसर पर उपस्थित होने के लिए उनका धन्यवाद करते हुए प्रधानमंत्री ने 'पड़ोसी प्रथम' नीति और 'सागर विजन' के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि अपने तीसरे कार्यकाल में भारत इन देशों के साथ घनिष्ठ साझेदारी में क्षेत्र की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए काम करना जारी रखेगा, जबकि वह 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने इस संदर्भ में क्षेत्र में लोगों के बीच प्रगाढ़ संबंध और संपर्क का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में ग्लोबल साउथ की आवाज को बढ़ाना जारी रखेगा। नेताओं ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा आयोजित भोज में भी भाग लिया। राष्ट्रपति ने उनका स्वागत करते हुए तथा राष्ट्र की सेवा में प्रधानमंत्री मोदी को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत की लोकतांत्रिक गतिविधि न केवल अपने लोगों के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि विश्व भर के लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का विषय है। प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह के महत्वपूर्ण अवसर पर भारत के पड़ोस के देशों और हिंद महासागर क्षेत्र के नेताओं की भागीदारी, इस क्षेत्र के साथ भारत की मित्रता और सहयोग के प्रगाढ़ संबंधों को रेखांकित करती है।

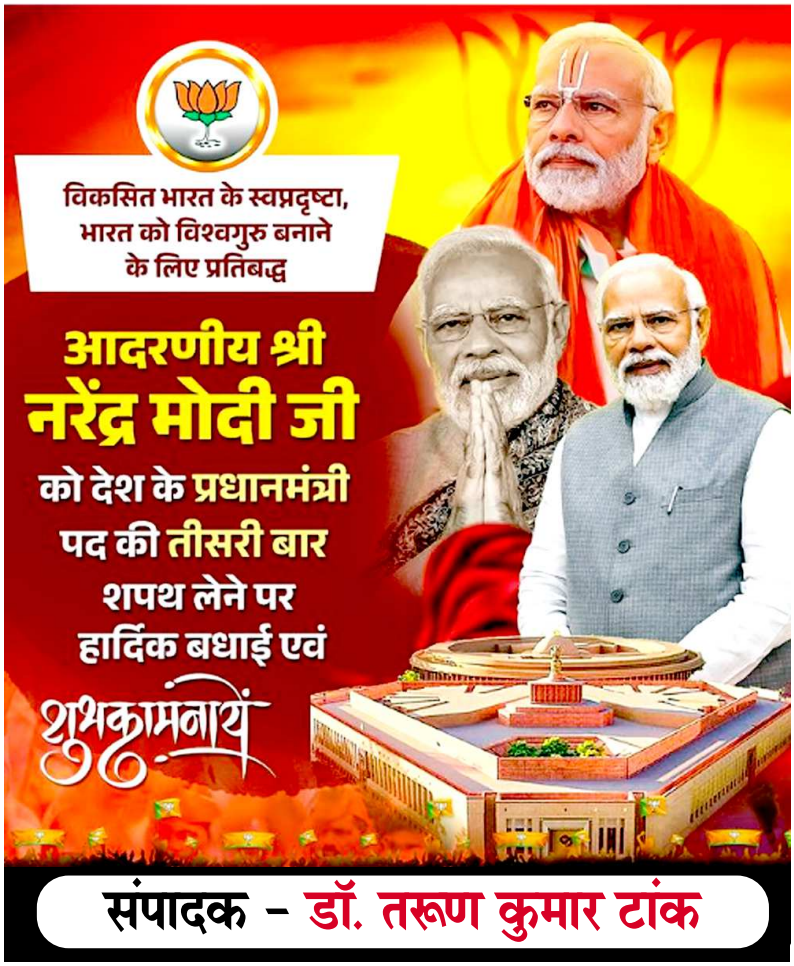

संपादकीय

एशियाई देश अर्थव्यवस्था में देंगे 60 प्रतिशत का योगदान

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक के बाद अब मूडीज ने भी भारत में आर्थिक विकास के संदर्भ में बताया है कि आने वाले कुछ वर्षों तक भारत की आर्थिक विकास दर विश्व में सबसे अधिक बने रहने की प्रबल सम्भावना बनी रहेगी। वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। अभी तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकसित देशों का दबदबा बना रहता आया है। परंतु, अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2024 में भारत सहित एशियाई देशों के वैश्विक अर्थव्यवस्था में 60 प्रतिशत का योगदान होने की प्रबल सम्भावना है। एशियाई देशों में चीन एवं भारत मुख्य भूमिकाएं निभाते नजर आ रहे हैं। प्राचीन काल में वैश्विक अर्थव्यस्था में भारत का योगदान लगभग 32 प्रतिशत से भी अधिक रहता आया है। वर्ष 1947 में जब भारत ने राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी उस समय वैश्विक अर्थव्यस्था में भारत का योगदान लगभग 3 प्रतिशत तक नीचे पहुंच गया था क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था को पहिले अरब से आए आक्राताओं एवं बाद में अंग्रेजों ने बहुत नुक्सान पहुंचाया था एवं भारत को जमकर लूटा था। वर्ष 1947 के बाद के लगभग 70 वर्षों में भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारतीय अर्थव्यवस्था के योगदान में कुछ बहुत अधिक परिवर्तन नहीं आ पाया था। परंतु, पिछले 10 वर्षों के दौरान देश में लगातार मजबूत होते लोकतंत्र के चलते एवं आर्थिक क्षेत्र में लिए गए कई पारदर्शी निर्णयों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था को तो जैसे पंख लग गए हैं। आज भारत इस स्थिति में पहुंच गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में वर्ष 2024 में अपने योगदान को लगभग 18 प्रतिशत के आसपास एवं एशिया के अन्य देशों यथा चीन, जापान एवं अन्य देशों के साथ मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था में एशियाई देशों के योगदान को 60 प्रतिशत तक ले जाने में सफल होता दिखाई दे रहा है। भारत आज अमेरिका, चीन, जर्मनी एवं जापान के बाद विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। साथ ही, भारत आज पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में तो भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक रहने की प्रबल सम्भावना बन रही है क्योंकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तीन तिमाहियों में भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक रही है, अक्टोबर-दिसम्बर 2023 को समाप्त तिमाही में तो आर्थिक विकास दर 8.4 प्रतिशत की रही है। इस विकास दर के साथ भारत के वर्ष 2025 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने की प्रबल सम्भावना बनती दिखाई दे रही है। केवल 10 वर्ष पूर्व ही भारत विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था और वर्ष 2013 में मोर्गन स्टैनली द्वारा किए गए एक सर्वे के अनुसार भारत विश्व के उन 5 बड़े देशों (दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, इंडोनेशिया, टर्की एवं भारत) में शामिल था जिनकी अर्थव्यवस्थाएं नाजुक हालत में मानी जाती थीं। आज भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में लगातार तेज वृद्धि आंकी जा रही है, जिससे भारत के वित्तीय संसाधनों पर दबाव कम हो रहा है और भारत पूंजीगत खर्चों के साथ ही गरीब वर्ग के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के लिए वित्त की व्यवस्था आसानी से कर पा रहा है। केंद्र सरकार के बजट में न केवल वित्तीय घाटा कम हो रहा है बल्कि आने वाले समय में केंद्र सरकार को अपने सामान्य खर्च चलाने के लिए ऋण लेने की आवश्यकता भी कम पड़ने लगेगी।

राज्यपाल ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का किया अवलोकन

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र 12 जून को गुजरात के केवड़िया में नर्मदा नदी पर स्थित विश्व की सबसे ऊंची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचे। उन्होंने वहां नर्मदा के साधु द्वीप पर स्थित 182 मीटर की ऊंचाई वाली सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा को नमन करते हुए अपनी श्रद्धा अर्पित की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के अग्रदूत लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की समृति को अक्षुण रखने भारत सरकार ने यह महती पहल की है। मिश्र ने विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वतमाला के बीच खूबसूरत हरियाली और मनमोहक नजारों में दुनिया की सबसे बड़ी इस प्रतिमा को पर्यटन की दृष्टि से भी नायाब बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए प्रेरित करती लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा एक भारत, श्रेष्ठ भारत का अनूपम उदाहरण है। राज्यपाल ने बाद में सरदार सरोवर बांध भी देखा।

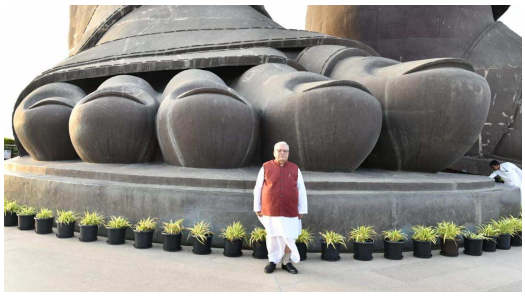

राज्यपाल के प्रतिमा स्थल पहुंचने पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी एरिया डेवलपमेंट एंड टूरिज्म गवर्नेंस अथॉरिटी एकता नगर के अधिकारियों ने उनकी अगवानी की। अधिकारियों ने उन्हें इस दौरान दुनिया की सबसे विशाल प्रतिमा निर्माण के विभिन्न चरणों के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी एरिया डेवलपमेंट एंड टूरिज्म गवर्नेंस अथॉरिटी द्वारा सरदार पटेल की विशाल प्रतिमा का प्रतिरूप और इससे संबद्ध पुस्तक भेंट की गई।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा मंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने कहा कि भारत ने योग को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से आज पूरा विश्व भारत की प्राचीन योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति की तरफ बढ रहा है। यह भारत के अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वगुरू के रूप में स्वीकार करने का संकेत है। उन्होने कहा कि इस बार योग दिवस की थीम ''योग स्वयं एवं समाज के लिए'' रखी गई है। योग के अभ्यास से शान्ति पूर्ण मन से व्यक्ति को समाज कल्याण के लिए बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलती है। भारतीय संस्कृति से जुड़ी योग क्रिया अब विदेशो तक फैल चुकी है। उन्होंने योग को देश सांस्कृतिक एकता की प्रथा की संज्ञा दी।

उपमुख्यमंत्री 14 जून को स्वास्थ्य भवन में आगामी 21 जून को दसवें अर्न्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग शरीर को रोगमुक्त रखता है एवं मन को शान्ति प्रदान करता है। उन्होने इसे भारत की प्राचीन और स्वस्थ जीवन शैली का हिस्सा बताया। इसके साथ ही उन्होने आमजन से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर होने वाले भव्य आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार और इसके प्रति जनजागरूकता के साथ जनसहभागिता लाने की भी अपील की। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित योग संस्थाओं, शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधियों से भी कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी आंमत्रित किये

उल्लेखनीय है कि 21 जून को पूरे विश्व में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। जयपुर में भी इस अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम सवाईमानसिंह स्टेडियम में प्रातः 06. 00 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर आयुष विभाग की शासन सचिव श्रीमती पूनम, संयुक्त शासन सचिव श्री कैलाश यादव सहित शहर की योग संस्थाओं, शिक्षण संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनो के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर आयोजित हुए ब्लड डोनेशन कैम्प

जयपुर। राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में 12 जून को प्रदेश में राज्य स्तर के अलावा पुलिस रेंज, पुलिस जिला और पुलिस यूनिट्स के स्तर पर ब्लड डोनेशन कैम्पों का आयोजन किया गया। इसमें राजस्थान पुलिस के अधिकारियों से लेकर जवानों तक कुल 1926 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर अपनी भागीदारी निभाई। इसके अलावा राज्य स्तर पर राजस्थान पुलिस अकादमी आरपी में आयोजित रक्तदान शिविर में डीजीपी (इंटेलिजेंस) संजय अग्रवाल एवं भाजपा साइबर अपराध एवं डीजीपी, एससीआरबी एवं साइबर अपराध हेमंत प्रियदर्शी सहित 163 अधिकारियों एवं जवानों ने भी रक्तदान किया। इस प्रकार पूरे प्रदेश में 2000 से अधिक पुलिस अधिकारियों और जवानों ने पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष में रक्तदान किया। पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने बताया कि रक्तदान शिविरों में पुलिस के 1555 व आरएसी के 105 एवं पुलिस ट्रेनिंग संस्थानों में कार्यरत 266 पुलिस अधिकारियों व कर्मियों ने रक्तदान किया।

रेंज वाइज रक्तदान

जयपुर आयुक्तालय में 165 यूनिट जयपुर रेंज में 275, जोधपुर आयुक्तालय में 76, जोधपुर रेंज में 39, सीकर रेंज में 170, कोटा रेंज में 242, पाली रेंज में 140, बीकानेर रेंज में 143, उदयपुर रेंज में 266, बांसवाड़ा रेंज में 114, अजमेर रेंज में 209 और भरतपुर रेंज में 87 यूनिट कुल 1926 यूनिट ब्लड का संकलन किया गया।

जिले वाइज रक्तदान

डीजीपी साहू ने बताया कि जयपुर आयुक्तालय में 165 यूनिट, जयपुर रेंज के जयपुर ग्रामीण जिले में 31, अलवर में 30, दौसा में 35, कोटपूतली-बहरोड में 133 व भिवाड़ी में 46 यूनिट, जोधपुर आयुक्तालय में 76 यूनिट जोधपुर रेंज के जैसलमेर में 22 व बाड़मेर में 17 यूनिट, सीकर रेंज के सीकर जिले में 38, झुंझुनू में 34, चूरू में 19 व नीम का थाना में 70 यूनिट ब्लड डोनेशन किया गया। इसी प्रकार कोटा रेंज के कोटा शहर में 152, ग्रामीण में 42, बूंदी में 23, बारां में 8 एवं झालावाड़ में 17 यूनिट, पाली रेंज के पाली जिले में 37, जालौर में 36, सांचौर में 23 व सिरोही में 44 यूनिट, बीकानेर रेंज के श्रीगंगानगर जिले में 52, हनुमानगढ़ में 16 एवं अनूपगढ़ में 75 यूनिट ब्लड संकलित किया गया।

डीजीपी ने बताया कि इसी क्रम में बांसवाड़ा रेंज के बांसवाड़ा जिले में 55, डूंगरपुर में 28 व प्रतापगढ़ में 31, अजमेर रेंज के अजमेर जिले में 42, ब्यावर में 33, केकड़ी में 52, टोंक में 50 व नागौर में 32 यूनिट तथा भरतपुर रेंज के भरतपुर जिले में 26 व करौली में 61 यूनिट ब्लड डोनेशन किया गया। रक्तदान करने वाले अधिकारियों और जवानों की हौसला अफजाई करते हुए महानिदेशक साहू द्वारा इस नेक कार्य में आगे आने के लिए उनकी सराहना की और आगे भी ऐसे ही रक्तदान शिविरों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया।

राजस्थान पर्यटन विभाग के अधिकारियों की केन्द्रीय पर्यटन मंत्री से भेंट

जयपुर। दिल्ली स्थित राजस्थान के पर्यटक स्वागत केंद्र के अधिकारियों ने केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से 13 जून को उनके राजकीय निवास पर मुलाकात कर उन्हें नवीन पदभार ग्रहण करने की शुभकामनाएं प्रेषित की तथा राजस्थान में केंद्र सरकार द्वारा संचालित और उसके सहयोग से चलाई जा रही पर्यटन परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर पर्यटक स्वागत केंद्र की उप निदेशक डॉ. दीपाली शर्मा और सहायक निदेशक छत्रपाल यादव ने बीकानेर हाउस स्थित पर्यटक स्वागत केन्द्र के कार्यकलापों से भी केन्द्रीय मंत्री को अवगत करवाया।

राजस्थान से मंत्री बने चार सांसद

जयपुर। राजस्थान से लोकसभा की 14 सीटें बीजेपी ने जीती। केन्द्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के लिए राजस्थान से बीजेपी के चार सांसदों को मंत्री पद से नवाजा गया है। राजस्थान में 4 मंत्रियों में 6 मंत्रालय का बंटवारा किया गया है। इसमें गजेंद्र सिंह शेखावत, भूपेंद्र यादव, अर्जुन राम मेघवाल और भागीरथ चौधरी शामिल हैं। गजेंद्र सिंह शेखावत- पर्यटन मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय, भूपेंद्र यादव- वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अर्जुन राम मेघवाल- कानून और न्याय मंत्रालय और संसदीय कार्य मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री), भागीरथ चौधरी- कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय (राज्य मंत्री) बने हैं।

गजेन्द्र सिंह शेखावत ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला

गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 11 जून को केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री का कार्यभार ग्रहण किया। शेखावत ने इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने उन पर विश्वास जताया और हमारे देश और विश्व दोनों में भारतीयता के संरक्षण, सुरक्षा और जीवंतता को बढ़ावा देने का यह अवसर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इंडिया से भारत में संक्रमण करते हुए हम अपने औपनिवेशिक लबादे को छोड़ने और अपनी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को बहाल करने के लिए बड़े कदम उठा रहे हैं। शेखावत ने कहा कि हमारे देश की बढ़ती सॉफ्ट पावर अपने समृद्ध सांस्कृतिक ताने-बाने और कला, संगीत, नृत्य, वस्त्र के रूप में इसकी असंख्य अभिव्यक्तियों में निहित है। मंत्री ने कहा कि आइए इस अमृत काल में इसे मजबूत करने के लिए मिलकर काम करें और संस्कृति को विकसित भारत की बुनाई के लिए एक मजबूत धागा बनाएं।

भूपेंद्र यादव ने केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री का पदभार संभाला

भूपेंद्र यादव ने 11 जून को केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री के रूप में पदभार संभाल लिया। पर्यावरण भवन स्थित कार्यालय में सचिव (ईएफएंड सीसी) लीना नंदन और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पदभार संभालने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने यह

अवसर प्रदान करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि वह मंत्रालय में अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में इस मंत्रालय द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं और सरकार पर्यावरण और विकास को एक साथ लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मिशन लाइफ पर्यावरण के लिए जीवनशैली जैसी पहलों पर ध्यान केंद्रित किया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर पर्यावरण संकट है और माननीय प्रधानमंत्री ने ग्लासगो, जलवायु सम्मेलन 2021 में मिशन लाइफ पर्यावरण के लिए जीवनशैली की घोषणा की।

उन्होंने यह भी कहा कि मिशन लाइफ का उद्देश्य जलवायु-सकारात्मक कार्यों के लिए व्यक्तियों को संगठित करना और पर्यावरण के अनुकूल स्वतंत्र प्रयासों को सुदृढ़ और सक्षम करने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। पर्यावरण संरक्षण और विकास साथ-साथ चल सकते हैं। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री ने बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए एक पेड़ माँ के नाम नामक पौधारोपण पहल भी शुरू की है और सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इस पहल में भाग लें, जिसे माननीय प्रधानमंत्री ने 2024 में विश्व पर्यावरण दिवस पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया है। इससे बढ़ते तापमान, मरुस्थलीकरण और जैव विविधता के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी।

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने विधि एवं न्याय मंत्रालय का कार्यभार संभाला

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने 11 जून को नई दिल्ली में विधि एवं न्याय मंत्रालय का कार्यभार संभाला। पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, ÷माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में, मैं समर्पण एवं निष्ठा के साथ लोगों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं तथा विधि एवं न्याय मंत्रालय विकसित भारत के सपने को साकार करने में योगदान देगा। उन्होंने कहा, जल्द लागू होने जा रहे तीन नए आपराधिक कानूनों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने आगे कहा, ÷लोगों को न्यायालयों में त्वरित न्याय मिले, यह भी हमारी प्राथमिकता है।

मेघवाल का जन्म 20 दिसंबर, 1953 को हुआ था और वे राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर हैं। वे विधि स्नातक हैं और उन्होंने फिलीपींस विश्वविद्यालय से एमबीए भी किया है। मेघवाल राजस्थान के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने 2009 से लोकसभा में बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है और अब वे चौथी बार के सांसद हैं।

वर्तमान प्रभार से पहले अर्जुन राम मेघवाल ने केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट कार्य राज्य मंत्री (2016-2017), केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री (2017-19), केंद्रीय भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री (2019-21), केंद्रीय संस्कृति और संसदीय कार्य राज्य मंत्री (2021-2023), केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति और संसदीय कार्य राज्य मंत्री (2023-24) के रूप में कार्य किया है। मेघवाल साइकिल से संसद आने-जाने के लिए प्रसिद्ध हैं और उन्हें संसद रत्न (3 बार) और संसद महारत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

भागीरथ चौधरी ने किया पदभार ग्रहण

राजस्थान से अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी पहली बार नरेन्द्र मोदी के मंत्रीमण्डल में शामिल हुए हैं। भागीरथ चौधरी पहली बार मंत्री बने हैं। वहीं मोदी सरकार ने उन्हें कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री बनाया है। वहीं कृषि मंत्रालय मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपा गया है। भागीरथ चौधरी ने भी कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। माननीय मंत्रियों का स्वागत कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव मनोज आहूजा, डेयर के सचिव हिमांशु पाठक और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने किया।

इन्फो स्तम्भ

बिना वैध मोटर थर्ड पार्टी बीमा के मोटर वाहन चलाना है दंडनीय अपराध

मोटर वाहन अधिनियम, के अनुसार भारतीय सड़कों पर चलने वाले मोटर वाहनों के पास थर्ड पार्टी जोखिमों को कवर करने वाली बीमा पॉलिसी होनी अनिवार्य रूप से आवश्यक है। कानूनी आवश्यकता होने के अलावा, मोटर थर्ड पार्टी बीमा कवर होना एक दायित्वपूर्ण सड़क उपयोगकर्ता होने का एक महत्वपूर्ण पहलू है क्योंकि यह दुर्घटनाओं या क्षति के मामले में पीड़ितों को सहायता प्रदान करता है। जो लोग वैध मोटर थर्ड पार्टी बीमा के बिना बीमा रहित वाहन चलाते हैं या चलाने देते हैं, उन्हें कानून के उल्लंघन के लिए कारावास सहित दंडित किया जा सकता है। ऐसे अपराधियों को मोटर वाहन अधिनियम, के अंतर्गत दंडित किया जा सकता है। पहला अपराध- तीन महीने तक कारावास, या 2,000 रुपये का जुर्माना या दोनों। इसके बाद का अपराध- तीन महीने तक कारावास, या 4,000 रुपये का जुर्माना या दोनों। वाहन मालिकों को अपने-अपने मोटर वाहनों के मोटर थर्ड पार्टी बीमा की स्थिति की जांच करनी चाहिए और यदि उन्होंने पहले से ऐसा नहीं किया है, तो जल्द से जल्द अपना बीमा प्राप्त करना/नवीनीकृत कराना चाहिए। उपर्युक्त दंड प्रावधान प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा उन वाहनों पर लगाए जाएंगे जो वैध मोटर थर्ड पार्टी बीमा कवर के बिना चलते पाए जाते हैं।

हमारी सरकार जो कहती है, वो करती है:सीएम

जयपुर (नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान वीरों की धरती है और यहां के वीर सपूतों ने देश की सुरक्षा में अग्रणी रहकर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर किया है। हमारे लिए मातृभूमि की रक्षा ही सबसे बड़ा धर्म और जन्मभूमि ही स्वर्ग से बढ़कर है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए किये गए शहीदों के बलिदान आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। शर्मा डीग के सुंदरावली में शहीद जीतराम गुर्जर के प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम एवं किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलवामा में हुए हमले का भारतीय सेना के सैनिकों ने मुंहतोड़ जबाव दिया था। जबकि प्रदेश में पूर्ववर्ती सरकार ने शहीद वीरांगनाओं और उनके परिवार के साथ अपमानजनक व्यवहार किया। वहीं हमारी सरकार शहीद के परिवारों की हरसंभव मदद के लिए तैयार है तथा शहीदों के सम्मान के लिए उनके नाम पर अस्पताल, विद्यालय आदि संस्थानों का नामकरण किया जायेगा।

जापान साइंस सकूरा प्रोग्राम में प्रदेश की दो छात्राओं का हुआ चयन

जयपुर। जापान साइंस एंड टेक्नोलोजी एजेंसी द्वारा टोक्यो में 16 जून से 22 जून को आयोजित होने वाले सकूरा साइंस प्रोग्राम में भाग लेने के लिए केन्द्र सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देशानुसार कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, करणपुरा, हनुमानगढ़ की छात्रा प्रीती व स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूल, पोकरण, जैसलमेर की छात्रा आयुषी पालीवाल का चयन हुआ है। जापान जाने से पूर्व 13 जून को बालिकाओं का स्वागत राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अविचल चतुर्वेदी ने परिषद् कार्यालय में किया। बालिकाओं के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए चतुर्वेदी ने उन्हें बधाई दी एवं जापान प्रवास के संबंध में आवश्यक परामर्श दिए। इस अवसर पर बालिका शिक्षा के उपायुक्त निशु कुमार, उपनिदेशक मधु शर्मा तथा सहायक निदेशक वंदना सिंह उपस्थित रहे।

iTVoice® all things tech.

India's Premier IT Magazine & First Daily Tech News OTT

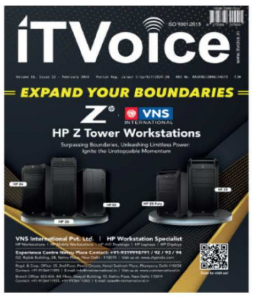

Magazines & Newspapers

Highest Digital Presence

www.itvoice.in

Daily Tech News & Podcasts

Contact for Print & Digital Marketing

+91 141 4014911

info@itvoice.in

ICPL

www.icpljpr.com

Professional IT Support

Domain & Hosting
Web Development
Customized Software Solution
Web Operation
Client / Server Management
Network Maintenance
Service Desk Support
Customized IT Support Services
Dealing in all Major Brands

Informatic Computech Private Limited

Jaipur - Rajasthan (Ph.) +91-141-2280510 md@icpljpr.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक तरूण कुमार टांक के लिये महारानी प्रिन्टर्स प्लाट नं. 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 52/121, वीरतेजाजी रोड, मानसरोवर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-तरूण कुमार टांक Email: mahanagarstambh@gmail.com